संख्या-30/2020/1005/सैंतीस-2-2020-1(2)/2013टीसी

प्रेषक,

एन. पी. पाण्डेय,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशासन एवं विकास,
पशुपालन विभाग,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

पशुधन अनुभाग-2 लखनऊ :: दिनॉक-07 अप्रैल, 2020

विषयः- **चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण (रा.यो.) के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष वित्तीय स्वीकृति।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-586/सा0-एक/एक्स-120(7)/पा.क्ली.क्रिया./2020-21, दिनांक-31.03.2020 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण (रा.यो.) के अन्तर्गत राजस्व एवं पूंजीगत पक्ष में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष निम्न विवरणानुसार क्रमशः रू0-43.10 लाख एवं रू0-5.00 लाख इस प्रकार कुल रू0-48.10 लाख (रूपये अड़तालिस लाख दस हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति श्री राज्यपाल अधोलिखित प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष प्रदान करते हैं:-

लेखाशीर्षक/मानक मद	**स्वीकृत धनराशि (लाख में)**
2403-पशुपालन- **101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-** **07-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढ़ीकरण**	
01-वेतन	23.00
03-मंहगाई भत्ता	4.00
06-अन्य भत्ते	0.20
12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	2.50
29-अनुरक्षण	2.50
39-औषधि तथा रसायन	5.00
42-अन्य व्यय	1.50
43-सामग्री एवं सम्पूर्ति	1.50
55-मकान किराया भत्ता	2.00
56-नगर प्रतिकर भत्ता	0.10
58-आउट सोर्सिंग सेवाओं हेतु भुगतान	0.80
योग-	**43.10**
4403-पशुपालन पर पूंजीगत परिव्यय- **101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-** **11-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढ़ीकरण**	
26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	**5.00**
महायोग-	**48.10**

(रूपये अड़तालिस लाख दस हजार मात्र)

1. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण/व्यय अनुमोदित कार्ययोजना एवं मदों में योजना हेतु निर्धारित गाइडलाइन्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

2. स्वीकृत की जा रही धनराशि को आहरण हेतु, यदि जनपद स्तर पर आहरण वितरण अधिकारी हों, तो संबंधित जनपदों को आवंटित किया जाय तथा विभागाध्यक्ष स्तर पर एकमुश्त आहरण न किया जाय।
3. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण तत्काल आवश्यकता होने पर ही किया जायेगा।
4. किसी भी दशा में स्वीकृत धनराशि का आहरण कर बैंक/डाकघर में न जमा किया जाय तथा इसका व्यय नई मदों/कार्यों में न किया जाय।
5. सुसंगत वित्तीय नियमों के आलोक में आगणन पर सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त करने व सक्षम स्तर से कार्यदायी संस्था का निर्धारण कराने के उपरान्त ही मानक मद 29-अनुरक्षण हेतु स्वीकृत धनराशि का आहरण किया जायेगा।
6. प्रायोजना में सम्मिलित उपकरणों/सामग्रियों आदि का क्रय जेम पोर्टल के माध्यम से भारत सरकार व राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्गत सुसंगत शासनादेशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा। जेम पोर्टल पर दरें उपलब्ध न होने की दशा में ही इनका क्रय सुसंगत क्रय नियमों/स्टोर पर्चेज रूल्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए नियमानुसार किया जायेगा।
7. स्वीकृत की जा रही धनराशि के सम्बन्ध में वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों में प्रशासकीय व्यय में मितव्ययता संबंधी शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
8. स्वीकृत धनराशि का आहरण/व्यय करते समय वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2020/बी-1-149/दस-2020-231/2020, दिनांक-24.03.2020 में अंकित निर्देशों तथा शासनादेश सं0-बी-1-1195/दस-16/94, दिनांक-06.06.1994 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

2- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन लेखाशीर्षक-'2403-पशुपालन-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-07-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण' की सुसंगत इकाईयों तथा लेखाशीर्षक-'4403-पशुपालन पर पूंजीगत परिव्यय-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-11-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण-26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र' के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2020/बी-1-149/दस-2020-231/2020, दिनांक-24.03.2020 में प्रदत्त अधिकारों के अधीन जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एन. पी. पाण्डेय)
विशेष सचिव।

<u>पृ0सं0-30/2020/1005(1)/सैंतीस-2-2020- तद्दिनांक ।</u>

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)/(लेखा-परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।
2. वित्त नियंत्रक/संयुक्त निदेशक (नियोजन), पशुपालन विभाग, उ0प्र0, लखनऊ।
3. सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी।
4. वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनु0-1/वित्त (आय-व्ययक) अनु0-1/नियोजन अनु0-3 ।
5. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(विनोद कुमार द्विवेदी)
अनु सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

संख्या-30/2020/1005/सैंतीस-2-2020-1(2)/2013टीसी

प्रेषक,

एन. पी. पाण्डेय,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशासन एवं विकास,
पशुपालन विभाग,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

पशुधन अनुभाग-2 लखनऊ :: दिनॉक-07 अप्रैल, 2020

विषयः- **चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण (रा.यो.) के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष वित्तीय स्वीकृति।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-586/सा0-एक/एक्स-120(7)/पा.क्ली.क्रिया./2020-21, दिनांक-31.03.2020 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण (रा.यो.) के अन्तर्गत राजस्व एवं पूंजीगत पक्ष में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष निम्न विवरणानुसार क्रमशः रू0-43.10 लाख एवं रू0-5.00 लाख इस प्रकार कुल रू0-48.10 लाख (रूपये अड़तालिस लाख दस हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति श्री राज्यपाल अधोलिखित प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष प्रदान करते हैं:-

लेखाशीर्षक/मानक मद	**स्वीकृत धनराशि (लाख में)**
2403-पशुपालन- **101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-** **07-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढ़ीकरण**	
01-वेतन	23.00
03-मंहगाई भत्ता	4.00
06-अन्य भत्ते	0.20
12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	2.50
29-अनुरक्षण	2.50
39-औषधि तथा रसायन	5.00
42-अन्य व्यय	1.50
43-सामग्री एवं सम्पूर्ति	1.50
55-मकान किराया भत्ता	2.00
56-नगर प्रतिकर भत्ता	0.10
58-आउट सोर्सिंग सेवाओं हेतु भुगतान	0.80
योग-	**43.10**
4403-पशुपालन पर पूंजीगत परिव्यय- **101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-** **11-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढ़ीकरण**	
26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	**5.00**
महायोग-	**48.10**

(रूपये अड़तालिस लाख दस हजार मात्र)

1. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण/व्यय अनुमोदित कार्ययोजना एवं मदों में योजना हेतु निर्धारित गाइडलाइन्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

2. स्वीकृत की जा रही धनराशि को आहरण हेतु, यदि जनपद स्तर पर आहरण वितरण अधिकारी हों, तो संबंधित जनपदों को आवंटित किया जाय तथा विभागाध्यक्ष स्तर पर एकमुश्त आहरण न किया जाय।
3. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण तत्काल आवश्यकता होने पर ही किया जायेगा।
4. किसी भी दशा में स्वीकृत धनराशि का आहरण कर बैंक/डाकघर में न जमा किया जाय तथा इसका व्यय नई मदों/कार्यों में न किया जाय।
5. सुसंगत वित्तीय नियमों के आलोक में आगणन पर सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त करने व सक्षम स्तर से कार्यदायी संस्था का निर्धारण कराने के उपरान्त ही मानक मद 29-अनुरक्षण हेतु स्वीकृत धनराशि का आहरण किया जायेगा।
6. प्रायोजना में सम्मिलित उपकरणों/सामग्रियों आदि का क्रय जेम पोर्टल के माध्यम से भारत सरकार व राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्गत सुसंगत शासनादेशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा। जेम पोर्टल पर दरें उपलब्ध न होने की दशा में ही इनका क्रय सुसंगत क्रय नियमों/स्टोर पर्चेज रूल्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए नियमानुसार किया जायेगा।
7. स्वीकृत की जा रही धनराशि के सम्बन्ध में वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों में प्रशासकीय व्यय में मितव्ययता संबंधी शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
8. स्वीकृत धनराशि का आहरण/व्यय करते समय वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2020/बी-1-149/दस-2020-231/2020, दिनांक-24.03.2020 में अंकित निर्देशों तथा शासनादेश सं0-बी-1-1195/दस-16/94, दिनांक-06.06.1994 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

2- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन लेखाशीर्षक-'2403-पशुपालन-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-07-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण' की सुसंगत इकाईयों तथा लेखाशीर्षक-'4403-पशुपालन पर पूंजीगत परिव्यय-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-11-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण-26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र' के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2020/बी-1-149/दस-2020-231/2020, दिनांक-24.03.2020 में प्रदत्त अधिकारों के अधीन जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एन. पी. पाण्डेय)
विशेष सचिव।

<u>पृ0सं0-30/2020/1005(1)/सैंतीस-2-2020- तद्दिनांक ।</u>

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)/(लेखा-परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।
2. वित्त नियंत्रक/संयुक्त निदेशक (नियोजन), पशुपालन विभाग, उ0प्र0, लखनऊ।
3. सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी।
4. वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनु0-1/वित्त (आय-व्ययक) अनु0-1/नियोजन अनु0-3 ।
5. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(विनोद कुमार द्विवेदी)
अनु सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

संख्या-30/2020/1005/सैंतीस-2-2020-1(2)/2013टीसी

प्रेषक,

एन. पी. पाण्डेय,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशासन एवं विकास,
पशुपालन विभाग,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

पशुधन अनुभाग-2 लखनऊ :: दिनॉक-07 अप्रैल, 2020

विषयः- **चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण (रा.यो.) के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष वित्तीय स्वीकृति।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-586/सा0-एक/एक्स-120(7)/पा.क्ली.क्रिया./2020-21, दिनांक-31.03.2020 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण (रा.यो.) के अन्तर्गत राजस्व एवं पूंजीगत पक्ष में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष निम्न विवरणानुसार क्रमशः रू0-43.10 लाख एवं रू0-5.00 लाख इस प्रकार कुल रू0-48.10 लाख (रूपये अड़तालिस लाख दस हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति श्री राज्यपाल अधोलिखित प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष प्रदान करते हैं:-

लेखाशीर्षक/मानक मद	**स्वीकृत धनराशि (लाख में)**
2403-पशुपालन- **101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-** **07-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढ़ीकरण**	
01-वेतन	23.00
03-मंहगाई भत्ता	4.00
06-अन्य भत्ते	0.20
12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	2.50
29-अनुरक्षण	2.50
39-औषधि तथा रसायन	5.00
42-अन्य व्यय	1.50
43-सामग्री एवं सम्पूर्ति	1.50
55-मकान किराया भत्ता	2.00
56-नगर प्रतिकर भत्ता	0.10
58-आउट सोर्सिंग सेवाओं हेतु भुगतान	0.80
योग-	**43.10**
4403-पशुपालन पर पूंजीगत परिव्यय- **101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-** **11-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढ़ीकरण**	
26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	**5.00**
महायोग-	**48.10**

(रूपये अड़तालिस लाख दस हजार मात्र)

1. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण/व्यय अनुमोदित कार्ययोजना एवं मदों में योजना हेतु निर्धारित गाइडलाइन्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

2. स्वीकृत की जा रही धनराशि को आहरण हेतु, यदि जनपद स्तर पर आहरण वितरण अधिकारी हों, तो संबंधित जनपदों को आवंटित किया जाय तथा विभागाध्यक्ष स्तर पर एकमुश्त आहरण न किया जाय।
3. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण तत्काल आवश्यकता होने पर ही किया जायेगा।
4. किसी भी दशा में स्वीकृत धनराशि का आहरण कर बैंक/डाकघर में न जमा किया जाय तथा इसका व्यय नई मदों/कार्यों में न किया जाय।
5. सुसंगत वित्तीय नियमों के आलोक में आगणन पर सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त करने व सक्षम स्तर से कार्यदायी संस्था का निर्धारण कराने के उपरान्त ही मानक मद 29-अनुरक्षण हेतु स्वीकृत धनराशि का आहरण किया जायेगा।
6. प्रायोजना में सम्मिलित उपकरणों/सामग्रियों आदि का क्रय जेम पोर्टल के माध्यम से भारत सरकार व राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्गत सुसंगत शासनादेशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा। जेम पोर्टल पर दरें उपलब्ध न होने की दशा में ही इनका क्रय सुसंगत क्रय नियमों/स्टोर पर्चेज रूल्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए नियमानुसार किया जायेगा।
7. स्वीकृत की जा रही धनराशि के सम्बन्ध में वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों में प्रशासकीय व्यय में मितव्ययता संबंधी शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
8. स्वीकृत धनराशि का आहरण/व्यय करते समय वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2020/बी-1-149/दस-2020-231/2020, दिनांक-24.03.2020 में अंकित निर्देशों तथा शासनादेश सं0-बी-1-1195/दस-16/94, दिनांक-06.06.1994 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

2- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन लेखाशीर्षक-'2403-पशुपालन-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-07-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण' की सुसंगत इकाईयों तथा लेखाशीर्षक-'4403-पशुपालन पर पूंजीगत परिव्यय-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-11-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण-26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र' के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2020/बी-1-149/दस-2020-231/2020, दिनांक-24.03.2020 में प्रदत्त अधिकारों के अधीन जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एन. पी. पाण्डेय)
विशेष सचिव।

<u>पृ0सं0-30/2020/1005(1)/सैंतीस-2-2020- तद्दिनांक ।</u>

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)/(लेखा-परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।
2. वित्त नियंत्रक/संयुक्त निदेशक (नियोजन), पशुपालन विभाग, उ0प्र0, लखनऊ।
3. सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी।
4. वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनु0-1/वित्त (आय-व्ययक) अनु0-1/नियोजन अनु0-3 ।
5. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(विनोद कुमार द्विवेदी)
अनु सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

संख्या-30/2020/1005/सैंतीस-2-2020-1(2)/2013टीसी

प्रेषक,

एन. पी. पाण्डेय,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशासन एवं विकास,
पशुपालन विभाग,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

पशुधन अनुभाग-2 लखनऊ :: दिनॉक-07 अप्रैल, 2020

विषयः- **चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण (रा.यो.) के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष वित्तीय स्वीकृति।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-586/सा0-एक/एक्स-120(7)/पा.क्ली.क्रिया./2020-21, दिनांक-31.03.2020 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण (रा.यो.) के अन्तर्गत राजस्व एवं पूंजीगत पक्ष में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष निम्न विवरणानुसार क्रमशः रू0-43.10 लाख एवं रू0-5.00 लाख इस प्रकार कुल रू0-48.10 लाख (रूपये अड़तालिस लाख दस हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति श्री राज्यपाल अधोलिखित प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष प्रदान करते हैं:-

लेखाशीर्षक/मानक मद	**स्वीकृत धनराशि (लाख में)**
2403-पशुपालन- **101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-** **07-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढ़ीकरण**	
01-वेतन	23.00
03-मंहगाई भत्ता	4.00
06-अन्य भत्ते	0.20
12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	2.50
29-अनुरक्षण	2.50
39-औषधि तथा रसायन	5.00
42-अन्य व्यय	1.50
43-सामग्री एवं सम्पूर्ति	1.50
55-मकान किराया भत्ता	2.00
56-नगर प्रतिकर भत्ता	0.10
58-आउट सोर्सिंग सेवाओं हेतु भुगतान	0.80
योग-	**43.10**
4403-पशुपालन पर पूंजीगत परिव्यय- **101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-** **11-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढ़ीकरण**	
26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	**5.00**
महायोग-	**48.10**

(रूपये अड़तालिस लाख दस हजार मात्र)

1. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण/व्यय अनुमोदित कार्ययोजना एवं मदों में योजना हेतु निर्धारित गाइडलाइन्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

2. स्वीकृत की जा रही धनराशि को आहरण हेतु, यदि जनपद स्तर पर आहरण वितरण अधिकारी हों, तो संबंधित जनपदों को आवंटित किया जाय तथा विभागाध्यक्ष स्तर पर एकमुश्त आहरण न किया जाय।
3. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण तत्काल आवश्यकता होने पर ही किया जायेगा।
4. किसी भी दशा में स्वीकृत धनराशि का आहरण कर बैंक/डाकघर में न जमा किया जाय तथा इसका व्यय नई मदों/कार्यों में न किया जाय।
5. सुसंगत वित्तीय नियमों के आलोक में आगणन पर सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त करने व सक्षम स्तर से कार्यदायी संस्था का निर्धारण कराने के उपरान्त ही मानक मद 29-अनुरक्षण हेतु स्वीकृत धनराशि का आहरण किया जायेगा।
6. प्रायोजना में सम्मिलित उपकरणों/सामग्रियों आदि का क्रय जेम पोर्टल के माध्यम से भारत सरकार व राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्गत सुसंगत शासनादेशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा। जेम पोर्टल पर दरें उपलब्ध न होने की दशा में ही इनका क्रय सुसंगत क्रय नियमों/स्टोर पर्चेज रूल्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए नियमानुसार किया जायेगा।
7. स्वीकृत की जा रही धनराशि के सम्बन्ध में वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों में प्रशासकीय व्यय में मितव्ययता संबंधी शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
8. स्वीकृत धनराशि का आहरण/व्यय करते समय वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2020/बी-1-149/दस-2020-231/2020, दिनांक-24.03.2020 में अंकित निर्देशों तथा शासनादेश सं0-बी-1-1195/दस-16/94, दिनांक-06.06.1994 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

2- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन लेखाशीर्षक-'2403-पशुपालन-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-07-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण' की सुसंगत इकाईयों तथा लेखाशीर्षक-'4403-पशुपालन पर पूंजीगत परिव्यय-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-11-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण-26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र' के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2020/बी-1-149/दस-2020-231/2020, दिनांक-24.03.2020 में प्रदत्त अधिकारों के अधीन जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एन. पी. पाण्डेय)
विशेष सचिव।

<u>पृ0सं0-30/2020/1005(1)/सैंतीस-2-2020- तद्दिनांक ।</u>

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)/(लेखा-परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।
2. वित्त नियंत्रक/संयुक्त निदेशक (नियोजन), पशुपालन विभाग, उ0प्र0, लखनऊ।
3. सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी।
4. वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनु0-1/वित्त (आय-व्ययक) अनु0-1/नियोजन अनु0-3 ।
5. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(विनोद कुमार द्विवेदी)
अनु सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

संख्या-30/2020/1005/सैंतीस-2-2020-1(2)/2013टीसी

प्रेषक,

एन. पी. पाण्डेय,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशासन एवं विकास,
पशुपालन विभाग,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

पशुधन अनुभाग-2 लखनऊ :: दिनॉक-07 अप्रैल, 2020

विषयः- **चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण (रा.यो.) के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष वित्तीय स्वीकृति।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-586/सा0-एक/एक्स-120(7)/पा.क्ली.क्रिया./2020-21, दिनांक-31.03.2020 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण (रा.यो.) के अन्तर्गत राजस्व एवं पूंजीगत पक्ष में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष निम्न विवरणानुसार क्रमशः रू0-43.10 लाख एवं रू0-5.00 लाख इस प्रकार कुल रू0-48.10 लाख (रूपये अड़तालिस लाख दस हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति श्री राज्यपाल अधोलिखित प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष प्रदान करते हैं:-

लेखाशीर्षक/मानक मद	**स्वीकृत धनराशि (लाख में)**
2403-पशुपालन- **101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-** **07-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढ़ीकरण**	
01-वेतन	23.00
03-मंहगाई भत्ता	4.00
06-अन्य भत्ते	0.20
12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	2.50
29-अनुरक्षण	2.50
39-औषधि तथा रसायन	5.00
42-अन्य व्यय	1.50
43-सामग्री एवं सम्पूर्ति	1.50
55-मकान किराया भत्ता	2.00
56-नगर प्रतिकर भत्ता	0.10
58-आउट सोर्सिंग सेवाओं हेतु भुगतान	0.80
योग-	**43.10**
4403-पशुपालन पर पूंजीगत परिव्यय- **101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-** **11-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढ़ीकरण**	
26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	**5.00**
महायोग-	**48.10**

(रूपये अड़तालिस लाख दस हजार मात्र)

1. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण/व्यय अनुमोदित कार्ययोजना एवं मदों में योजना हेतु निर्धारित गाइडलाइन्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

2. स्वीकृत की जा रही धनराशि को आहरण हेतु, यदि जनपद स्तर पर आहरण वितरण अधिकारी हों, तो संबंधित जनपदों को आवंटित किया जाय तथा विभागाध्यक्ष स्तर पर एकमुश्त आहरण न किया जाय।
3. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण तत्काल आवश्यकता होने पर ही किया जायेगा।
4. किसी भी दशा में स्वीकृत धनराशि का आहरण कर बैंक/डाकघर में न जमा किया जाय तथा इसका व्यय नई मदों/कार्यों में न किया जाय।
5. सुसंगत वित्तीय नियमों के आलोक में आगणन पर सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त करने व सक्षम स्तर से कार्यदायी संस्था का निर्धारण कराने के उपरान्त ही मानक मद 29-अनुरक्षण हेतु स्वीकृत धनराशि का आहरण किया जायेगा।
6. प्रायोजना में सम्मिलित उपकरणों/सामग्रियों आदि का क्रय जेम पोर्टल के माध्यम से भारत सरकार व राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्गत सुसंगत शासनादेशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा। जेम पोर्टल पर दरें उपलब्ध न होने की दशा में ही इनका क्रय सुसंगत क्रय नियमों/स्टोर पर्चेज रूल्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए नियमानुसार किया जायेगा।
7. स्वीकृत की जा रही धनराशि के सम्बन्ध में वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों में प्रशासकीय व्यय में मितव्ययता संबंधी शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
8. स्वीकृत धनराशि का आहरण/व्यय करते समय वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2020/बी-1-149/दस-2020-231/2020, दिनांक-24.03.2020 में अंकित निर्देशों तथा शासनादेश सं0-बी-1-1195/दस-16/94, दिनांक-06.06.1994 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

2- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन लेखाशीर्षक-'2403-पशुपालन-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-07-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण' की सुसंगत इकाईयों तथा लेखाशीर्षक-'4403-पशुपालन पर पूंजीगत परिव्यय-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-11-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण-26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र' के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2020/बी-1-149/दस-2020-231/2020, दिनांक-24.03.2020 में प्रदत्त अधिकारों के अधीन जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एन. पी. पाण्डेय)
विशेष सचिव।

<u>पृ0सं0-30/2020/1005(1)/सैंतीस-2-2020- तद्दिनांक ।</u>

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)/(लेखा-परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।
2. वित्त नियंत्रक/संयुक्त निदेशक (नियोजन), पशुपालन विभाग, उ0प्र0, लखनऊ।
3. सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी।
4. वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनु0-1/वित्त (आय-व्ययक) अनु0-1/नियोजन अनु0-3 ।
5. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(विनोद कुमार द्विवेदी)
अनु सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

संख्या-30/2020/1005/सैंतीस-2-2020-1(2)/2013टीसी

प्रेषक,

एन. पी. पाण्डेय,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशासन एवं विकास,
पशुपालन विभाग,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

पशुधन अनुभाग-2 लखनऊ :: दिनॉक-07 अप्रैल, 2020

विषयः- **चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण (रा.यो.) के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष वित्तीय स्वीकृति।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-586/सा0-एक/एक्स-120(7)/पा.क्ली.क्रिया./2020-21, दिनांक-31.03.2020 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण (रा.यो.) के अन्तर्गत राजस्व एवं पूंजीगत पक्ष में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष निम्न विवरणानुसार क्रमशः रू0-43.10 लाख एवं रू0-5.00 लाख इस प्रकार कुल रू0-48.10 लाख (रूपये अड़तालिस लाख दस हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति श्री राज्यपाल अधोलिखित प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष प्रदान करते हैं:-

लेखाशीर्षक/मानक मद	**स्वीकृत धनराशि (लाख में)**
2403-पशुपालन- **101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-** **07-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढ़ीकरण**	
01-वेतन	23.00
03-मंहगाई भत्ता	4.00
06-अन्य भत्ते	0.20
12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	2.50
29-अनुरक्षण	2.50
39-औषधि तथा रसायन	5.00
42-अन्य व्यय	1.50
43-सामग्री एवं सम्पूर्ति	1.50
55-मकान किराया भत्ता	2.00
56-नगर प्रतिकर भत्ता	0.10
58-आउट सोर्सिंग सेवाओं हेतु भुगतान	0.80
योग-	**43.10**
4403-पशुपालन पर पूंजीगत परिव्यय- **101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-** **11-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढ़ीकरण**	
26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	**5.00**
महायोग-	**48.10**

(रूपये अड़तालिस लाख दस हजार मात्र)

1. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण/व्यय अनुमोदित कार्ययोजना एवं मदों में योजना हेतु निर्धारित गाइडलाइन्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

2. स्वीकृत की जा रही धनराशि को आहरण हेतु, यदि जनपद स्तर पर आहरण वितरण अधिकारी हों, तो संबंधित जनपदों को आवंटित किया जाय तथा विभागाध्यक्ष स्तर पर एकमुश्त आहरण न किया जाय।
3. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण तत्काल आवश्यकता होने पर ही किया जायेगा।
4. किसी भी दशा में स्वीकृत धनराशि का आहरण कर बैंक/डाकघर में न जमा किया जाय तथा इसका व्यय नई मदों/कार्यों में न किया जाय।
5. सुसंगत वित्तीय नियमों के आलोक में आगणन पर सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त करने व सक्षम स्तर से कार्यदायी संस्था का निर्धारण कराने के उपरान्त ही मानक मद 29-अनुरक्षण हेतु स्वीकृत धनराशि का आहरण किया जायेगा।
6. प्रायोजना में सम्मिलित उपकरणों/सामग्रियों आदि का क्रय जेम पोर्टल के माध्यम से भारत सरकार व राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्गत सुसंगत शासनादेशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा। जेम पोर्टल पर दरें उपलब्ध न होने की दशा में ही इनका क्रय सुसंगत क्रय नियमों/स्टोर पर्चेज रूल्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए नियमानुसार किया जायेगा।
7. स्वीकृत की जा रही धनराशि के सम्बन्ध में वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों में प्रशासकीय व्यय में मितव्ययता संबंधी शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
8. स्वीकृत धनराशि का आहरण/व्यय करते समय वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2020/बी-1-149/दस-2020-231/2020, दिनांक-24.03.2020 में अंकित निर्देशों तथा शासनादेश सं0-बी-1-1195/दस-16/94, दिनांक-06.06.1994 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

2- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन लेखाशीर्षक-'2403-पशुपालन-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-07-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण' की सुसंगत इकाईयों तथा लेखाशीर्षक-'4403-पशुपालन पर पूंजीगत परिव्यय-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-11-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण-26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र' के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2020/बी-1-149/दस-2020-231/2020, दिनांक-24.03.2020 में प्रदत्त अधिकारों के अधीन जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एन. पी. पाण्डेय)
विशेष सचिव।

<u>पृ0सं0-30/2020/1005(1)/सैंतीस-2-2020- तद्दिनांक ।</u>

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)/(लेखा-परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।
2. वित्त नियंत्रक/संयुक्त निदेशक (नियोजन), पशुपालन विभाग, उ0प्र0, लखनऊ।
3. सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी।
4. वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनु0-1/वित्त (आय-व्ययक) अनु0-1/नियोजन अनु0-3 ।
5. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(विनोद कुमार द्विवेदी)
अनु सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

संख्या-30/2020/1005/सैंतीस-2-2020-1(2)/2013टीसी

प्रेषक,

एन. पी. पाण्डेय,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशासन एवं विकास,
पशुपालन विभाग,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

पशुधन अनुभाग-2 लखनऊ :: दिनॉक-07 अप्रैल, 2020

विषयः- **चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण (रा.यो.) के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष वित्तीय स्वीकृति।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-586/सा0-एक/एक्स-120(7)/पा.क्ली.क्रिया./2020-21, दिनांक-31.03.2020 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण (रा.यो.) के अन्तर्गत राजस्व एवं पूंजीगत पक्ष में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष निम्न विवरणानुसार क्रमशः रू0-43.10 लाख एवं रू0-5.00 लाख इस प्रकार कुल रू0-48.10 लाख (रूपये अड़तालिस लाख दस हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति श्री राज्यपाल अधोलिखित प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष प्रदान करते हैं:-

लेखाशीर्षक/मानक मद	**स्वीकृत धनराशि (लाख में)**
2403-पशुपालन- **101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-** **07-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढ़ीकरण**	
01-वेतन	23.00
03-मंहगाई भत्ता	4.00
06-अन्य भत्ते	0.20
12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	2.50
29-अनुरक्षण	2.50
39-औषधि तथा रसायन	5.00
42-अन्य व्यय	1.50
43-सामग्री एवं सम्पूर्ति	1.50
55-मकान किराया भत्ता	2.00
56-नगर प्रतिकर भत्ता	0.10
58-आउट सोर्सिंग सेवाओं हेतु भुगतान	0.80
योग-	**43.10**
4403-पशुपालन पर पूंजीगत परिव्यय- **101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-** **11-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढ़ीकरण**	
26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	**5.00**
महायोग-	**48.10**

(रूपये अड़तालिस लाख दस हजार मात्र)

1. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण/व्यय अनुमोदित कार्ययोजना एवं मदों में योजना हेतु निर्धारित गाइडलाइन्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

2. स्वीकृत की जा रही धनराशि को आहरण हेतु, यदि जनपद स्तर पर आहरण वितरण अधिकारी हों, तो संबंधित जनपदों को आवंटित किया जाय तथा विभागाध्यक्ष स्तर पर एकमुश्त आहरण न किया जाय।
3. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण तत्काल आवश्यकता होने पर ही किया जायेगा।
4. किसी भी दशा में स्वीकृत धनराशि का आहरण कर बैंक/डाकघर में न जमा किया जाय तथा इसका व्यय नई मदों/कार्यों में न किया जाय।
5. सुसंगत वित्तीय नियमों के आलोक में आगणन पर सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त करने व सक्षम स्तर से कार्यदायी संस्था का निर्धारण कराने के उपरान्त ही मानक मद 29-अनुरक्षण हेतु स्वीकृत धनराशि का आहरण किया जायेगा।
6. प्रायोजना में सम्मिलित उपकरणों/सामग्रियों आदि का क्रय जेम पोर्टल के माध्यम से भारत सरकार व राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्गत सुसंगत शासनादेशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा। जेम पोर्टल पर दरें उपलब्ध न होने की दशा में ही इनका क्रय सुसंगत क्रय नियमों/स्टोर पर्चेज रूल्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए नियमानुसार किया जायेगा।
7. स्वीकृत की जा रही धनराशि के सम्बन्ध में वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों में प्रशासकीय व्यय में मितव्ययता संबंधी शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
8. स्वीकृत धनराशि का आहरण/व्यय करते समय वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2020/बी-1-149/दस-2020-231/2020, दिनांक-24.03.2020 में अंकित निर्देशों तथा शासनादेश सं0-बी-1-1195/दस-16/94, दिनांक-06.06.1994 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

2- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन लेखाशीर्षक-'2403-पशुपालन-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-07-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण' की सुसंगत इकाईयों तथा लेखाशीर्षक-'4403-पशुपालन पर पूंजीगत परिव्यय-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-11-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण-26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र' के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2020/बी-1-149/दस-2020-231/2020, दिनांक-24.03.2020 में प्रदत्त अधिकारों के अधीन जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एन. पी. पाण्डेय)
विशेष सचिव।

<u>पृ0सं0-30/2020/1005(1)/सैंतीस-2-2020- तद्दिनांक ।</u>

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)/(लेखा-परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।
2. वित्त नियंत्रक/संयुक्त निदेशक (नियोजन), पशुपालन विभाग, उ0प्र0, लखनऊ।
3. सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी।
4. वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनु0-1/वित्त (आय-व्ययक) अनु0-1/नियोजन अनु0-3 ।
5. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(विनोद कुमार द्विवेदी)
अनु सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

संख्या-30/2020/1005/सैंतीस-2-2020-1(2)/2013टीसी

प्रेषक,

एन. पी. पाण्डेय,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशासन एवं विकास,
पशुपालन विभाग,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

पशुधन अनुभाग-2 लखनऊ :: दिनॉक-07 अप्रैल, 2020

विषयः- **चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण (रा.यो.) के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष वित्तीय स्वीकृति।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-586/सा0-एक/एक्स-120(7)/पा.क्ली.क्रिया./2020-21, दिनांक-31.03.2020 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण (रा.यो.) के अन्तर्गत राजस्व एवं पूंजीगत पक्ष में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष निम्न विवरणानुसार क्रमशः रू0-43.10 लाख एवं रू0-5.00 लाख इस प्रकार कुल रू0-48.10 लाख (रूपये अड़तालिस लाख दस हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति श्री राज्यपाल अधोलिखित प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष प्रदान करते हैं:-

लेखाशीर्षक/मानक मद	**स्वीकृत धनराशि (लाख में)**
2403-पशुपालन- **101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-** **07-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढ़ीकरण**	
01-वेतन	23.00
03-मंहगाई भत्ता	4.00
06-अन्य भत्ते	0.20
12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	2.50
29-अनुरक्षण	2.50
39-औषधि तथा रसायन	5.00
42-अन्य व्यय	1.50
43-सामग्री एवं सम्पूर्ति	1.50
55-मकान किराया भत्ता	2.00
56-नगर प्रतिकर भत्ता	0.10
58-आउट सोर्सिंग सेवाओं हेतु भुगतान	0.80
योग-	**43.10**
4403-पशुपालन पर पूंजीगत परिव्यय- **101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-** **11-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढ़ीकरण**	
26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	**5.00**
महायोग-	**48.10**

(रूपये अड़तालिस लाख दस हजार मात्र)

1. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण/व्यय अनुमोदित कार्ययोजना एवं मदों में योजना हेतु निर्धारित गाइडलाइन्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

2. स्वीकृत की जा रही धनराशि को आहरण हेतु, यदि जनपद स्तर पर आहरण वितरण अधिकारी हों, तो संबंधित जनपदों को आवंटित किया जाय तथा विभागाध्यक्ष स्तर पर एकमुश्त आहरण न किया जाय।
3. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण तत्काल आवश्यकता होने पर ही किया जायेगा।
4. किसी भी दशा में स्वीकृत धनराशि का आहरण कर बैंक/डाकघर में न जमा किया जाय तथा इसका व्यय नई मदों/कार्यों में न किया जाय।
5. सुसंगत वित्तीय नियमों के आलोक में आगणन पर सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त करने व सक्षम स्तर से कार्यदायी संस्था का निर्धारण कराने के उपरान्त ही मानक मद 29-अनुरक्षण हेतु स्वीकृत धनराशि का आहरण किया जायेगा।
6. प्रायोजना में सम्मिलित उपकरणों/सामग्रियों आदि का क्रय जेम पोर्टल के माध्यम से भारत सरकार व राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्गत सुसंगत शासनादेशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा। जेम पोर्टल पर दरें उपलब्ध न होने की दशा में ही इनका क्रय सुसंगत क्रय नियमों/स्टोर पर्चेज रूल्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए नियमानुसार किया जायेगा।
7. स्वीकृत की जा रही धनराशि के सम्बन्ध में वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों में प्रशासकीय व्यय में मितव्ययता संबंधी शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
8. स्वीकृत धनराशि का आहरण/व्यय करते समय वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2020/बी-1-149/दस-2020-231/2020, दिनांक-24.03.2020 में अंकित निर्देशों तथा शासनादेश सं0-बी-1-1195/दस-16/94, दिनांक-06.06.1994 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

2- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन लेखाशीर्षक-'2403-पशुपालन-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-07-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण' की सुसंगत इकाईयों तथा लेखाशीर्षक-'4403-पशुपालन पर पूंजीगत परिव्यय-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-11-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण-26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र' के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2020/बी-1-149/दस-2020-231/2020, दिनांक-24.03.2020 में प्रदत्त अधिकारों के अधीन जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एन. पी. पाण्डेय)
विशेष सचिव।

<u>पृ0सं0-30/2020/1005(1)/सैंतीस-2-2020- तद्दिनांक ।</u>

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)/(लेखा-परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।
2. वित्त नियंत्रक/संयुक्त निदेशक (नियोजन), पशुपालन विभाग, उ0प्र0, लखनऊ।
3. सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी।
4. वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनु0-1/वित्त (आय-व्ययक) अनु0-1/नियोजन अनु0-3 ।
5. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(विनोद कुमार द्विवेदी)
अनु सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

संख्या-30/2020/1005/सैंतीस-2-2020-1(2)/2013टीसी

प्रेषक,

एन. पी. पाण्डेय,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशासन एवं विकास,
पशुपालन विभाग,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

पशुधन अनुभाग-2 लखनऊ :: दिनॉक-07 अप्रैल, 2020

विषयः- **चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण (रा.यो.) के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष वित्तीय स्वीकृति।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-586/सा0-एक/एक्स-120(7)/पा.क्ली.क्रिया./2020-21, दिनांक-31.03.2020 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण (रा.यो.) के अन्तर्गत राजस्व एवं पूंजीगत पक्ष में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष निम्न विवरणानुसार क्रमशः रू0-43.10 लाख एवं रू0-5.00 लाख इस प्रकार कुल रू0-48.10 लाख (रूपये अड़तालिस लाख दस हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति श्री राज्यपाल अधोलिखित प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष प्रदान करते हैं:-

लेखाशीर्षक/मानक मद	**स्वीकृत धनराशि (लाख में)**
2403-पशुपालन- **101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-** **07-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढ़ीकरण**	
01-वेतन	23.00
03-मंहगाई भत्ता	4.00
06-अन्य भत्ते	0.20
12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	2.50
29-अनुरक्षण	2.50
39-औषधि तथा रसायन	5.00
42-अन्य व्यय	1.50
43-सामग्री एवं सम्पूर्ति	1.50
55-मकान किराया भत्ता	2.00
56-नगर प्रतिकर भत्ता	0.10
58-आउट सोर्सिंग सेवाओं हेतु भुगतान	0.80
योग-	**43.10**
4403-पशुपालन पर पूंजीगत परिव्यय- **101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-** **11-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढ़ीकरण**	
26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	**5.00**
महायोग-	**48.10**

(रूपये अड़तालिस लाख दस हजार मात्र)

1. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण/व्यय अनुमोदित कार्ययोजना एवं मदों में योजना हेतु निर्धारित गाइडलाइन्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

2. स्वीकृत की जा रही धनराशि को आहरण हेतु, यदि जनपद स्तर पर आहरण वितरण अधिकारी हों, तो संबंधित जनपदों को आवंटित किया जाय तथा विभागाध्यक्ष स्तर पर एकमुश्त आहरण न किया जाय।
3. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण तत्काल आवश्यकता होने पर ही किया जायेगा।
4. किसी भी दशा में स्वीकृत धनराशि का आहरण कर बैंक/डाकघर में न जमा किया जाय तथा इसका व्यय नई मदों/कार्यों में न किया जाय।
5. सुसंगत वित्तीय नियमों के आलोक में आगणन पर सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त करने व सक्षम स्तर से कार्यदायी संस्था का निर्धारण कराने के उपरान्त ही मानक मद 29-अनुरक्षण हेतु स्वीकृत धनराशि का आहरण किया जायेगा।
6. प्रायोजना में सम्मिलित उपकरणों/सामग्रियों आदि का क्रय जेम पोर्टल के माध्यम से भारत सरकार व राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्गत सुसंगत शासनादेशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा। जेम पोर्टल पर दरें उपलब्ध न होने की दशा में ही इनका क्रय सुसंगत क्रय नियमों/स्टोर पर्चेज रूल्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए नियमानुसार किया जायेगा।
7. स्वीकृत की जा रही धनराशि के सम्बन्ध में वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों में प्रशासकीय व्यय में मितव्ययता संबंधी शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
8. स्वीकृत धनराशि का आहरण/व्यय करते समय वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2020/बी-1-149/दस-2020-231/2020, दिनांक-24.03.2020 में अंकित निर्देशों तथा शासनादेश सं0-बी-1-1195/दस-16/94, दिनांक-06.06.1994 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

2- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन लेखाशीर्षक-'2403-पशुपालन-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-07-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण' की सुसंगत इकाईयों तथा लेखाशीर्षक-'4403-पशुपालन पर पूंजीगत परिव्यय-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-11-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण-26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र' के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2020/बी-1-149/दस-2020-231/2020, दिनांक-24.03.2020 में प्रदत्त अधिकारों के अधीन जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एन. पी. पाण्डेय)
विशेष सचिव।

<u>पृ0सं0-30/2020/1005(1)/सैंतीस-2-2020- तद्दिनांक ।</u>

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)/(लेखा-परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।
2. वित्त नियंत्रक/संयुक्त निदेशक (नियोजन), पशुपालन विभाग, उ0प्र0, लखनऊ।
3. सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी।
4. वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनु0-1/वित्त (आय-व्ययक) अनु0-1/नियोजन अनु0-3 ।
5. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(विनोद कुमार द्विवेदी)
अनु सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

संख्या-30/2020/1005/सैंतीस-2-2020-1(2)/2013टीसी

प्रेषक,

एन. पी. पाण्डेय,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशासन एवं विकास,
पशुपालन विभाग,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

पशुधन अनुभाग-2 लखनऊ :: दिनॉक-07 अप्रैल, 2020

विषयः- **चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण (रा.यो.) के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष वित्तीय स्वीकृति।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-586/सा0-एक/एक्स-120(7)/पा.क्ली.क्रिया./2020-21, दिनांक-31.03.2020 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण (रा.यो.) के अन्तर्गत राजस्व एवं पूंजीगत पक्ष में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष निम्न विवरणानुसार क्रमशः रू0-43.10 लाख एवं रू0-5.00 लाख इस प्रकार कुल रू0-48.10 लाख (रूपये अड़तालिस लाख दस हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति श्री राज्यपाल अधोलिखित प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष प्रदान करते हैं:-

लेखाशीर्षक/मानक मद	**स्वीकृत धनराशि (लाख में)**
2403-पशुपालन- **101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-** **07-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढ़ीकरण**	
01-वेतन	23.00
03-मंहगाई भत्ता	4.00
06-अन्य भत्ते	0.20
12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	2.50
29-अनुरक्षण	2.50
39-औषधि तथा रसायन	5.00
42-अन्य व्यय	1.50
43-सामग्री एवं सम्पूर्ति	1.50
55-मकान किराया भत्ता	2.00
56-नगर प्रतिकर भत्ता	0.10
58-आउट सोर्सिंग सेवाओं हेतु भुगतान	0.80
योग-	**43.10**
4403-पशुपालन पर पूंजीगत परिव्यय- **101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-** **11-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढ़ीकरण**	
26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	**5.00**
महायोग-	**48.10**

(रूपये अड़तालिस लाख दस हजार मात्र)

1. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण/व्यय अनुमोदित कार्ययोजना एवं मदों में योजना हेतु निर्धारित गाइडलाइन्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

2. स्वीकृत की जा रही धनराशि को आहरण हेतु, यदि जनपद स्तर पर आहरण वितरण अधिकारी हों, तो संबंधित जनपदों को आवंटित किया जाय तथा विभागाध्यक्ष स्तर पर एकमुश्त आहरण न किया जाय।
3. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण तत्काल आवश्यकता होने पर ही किया जायेगा।
4. किसी भी दशा में स्वीकृत धनराशि का आहरण कर बैंक/डाकघर में न जमा किया जाय तथा इसका व्यय नई मदों/कार्यों में न किया जाय।
5. सुसंगत वित्तीय नियमों के आलोक में आगणन पर सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त करने व सक्षम स्तर से कार्यदायी संस्था का निर्धारण कराने के उपरान्त ही मानक मद 29-अनुरक्षण हेतु स्वीकृत धनराशि का आहरण किया जायेगा।
6. प्रायोजना में सम्मिलित उपकरणों/सामग्रियों आदि का क्रय जेम पोर्टल के माध्यम से भारत सरकार व राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्गत सुसंगत शासनादेशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा। जेम पोर्टल पर दरें उपलब्ध न होने की दशा में ही इनका क्रय सुसंगत क्रय नियमों/स्टोर पर्चेज रूल्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए नियमानुसार किया जायेगा।
7. स्वीकृत की जा रही धनराशि के सम्बन्ध में वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों में प्रशासकीय व्यय में मितव्ययता संबंधी शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
8. स्वीकृत धनराशि का आहरण/व्यय करते समय वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2020/बी-1-149/दस-2020-231/2020, दिनांक-24.03.2020 में अंकित निर्देशों तथा शासनादेश सं0-बी-1-1195/दस-16/94, दिनांक-06.06.1994 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

2- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन लेखाशीर्षक-'2403-पशुपालन-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-07-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण' की सुसंगत इकाईयों तथा लेखाशीर्षक-'4403-पशुपालन पर पूंजीगत परिव्यय-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-11-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण-26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र' के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2020/बी-1-149/दस-2020-231/2020, दिनांक-24.03.2020 में प्रदत्त अधिकारों के अधीन जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एन. पी. पाण्डेय)
विशेष सचिव।

<u>पृ0सं0-30/2020/1005(1)/सैंतीस-2-2020- तद्दिनांक ।</u>

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)/(लेखा-परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।
2. वित्त नियंत्रक/संयुक्त निदेशक (नियोजन), पशुपालन विभाग, उ0प्र0, लखनऊ।
3. सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी।
4. वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनु0-1/वित्त (आय-व्ययक) अनु0-1/नियोजन अनु0-3 ।
5. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(विनोद कुमार द्विवेदी)
अनु सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

संख्या-30/2020/1005/सैंतीस-2-2020-1(2)/2013टीसी

प्रेषक,

एन. पी. पाण्डेय,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशासन एवं विकास,
पशुपालन विभाग,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

पशुधन अनुभाग-2 लखनऊ :: दिनॉक-07 अप्रैल, 2020

विषयः- **चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण (रा.यो.) के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष वित्तीय स्वीकृति।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-586/सा0-एक/एक्स-120(7)/पा.क्ली.क्रिया./2020-21, दिनांक-31.03.2020 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण (रा.यो.) के अन्तर्गत राजस्व एवं पूंजीगत पक्ष में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष निम्न विवरणानुसार क्रमशः रू0-43.10 लाख एवं रू0-5.00 लाख इस प्रकार कुल रू0-48.10 लाख (रूपये अड़तालिस लाख दस हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति श्री राज्यपाल अधोलिखित प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष प्रदान करते हैं:-

लेखाशीर्षक/मानक मद	**स्वीकृत धनराशि (लाख में)**
2403-पशुपालन- **101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-** **07-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढ़ीकरण**	
01-वेतन	23.00
03-मंहगाई भत्ता	4.00
06-अन्य भत्ते	0.20
12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	2.50
29-अनुरक्षण	2.50
39-औषधि तथा रसायन	5.00
42-अन्य व्यय	1.50
43-सामग्री एवं सम्पूर्ति	1.50
55-मकान किराया भत्ता	2.00
56-नगर प्रतिकर भत्ता	0.10
58-आउट सोर्सिंग सेवाओं हेतु भुगतान	0.80
योग-	**43.10**
4403-पशुपालन पर पूंजीगत परिव्यय- **101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-** **11-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढ़ीकरण**	
26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	**5.00**
महायोग-	**48.10**

(रूपये अड़तालिस लाख दस हजार मात्र)

1. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण/व्यय अनुमोदित कार्ययोजना एवं मदों में योजना हेतु निर्धारित गाइडलाइन्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

2. स्वीकृत की जा रही धनराशि को आहरण हेतु, यदि जनपद स्तर पर आहरण वितरण अधिकारी हों, तो संबंधित जनपदों को आवंटित किया जाय तथा विभागाध्यक्ष स्तर पर एकमुश्त आहरण न किया जाय।
3. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण तत्काल आवश्यकता होने पर ही किया जायेगा।
4. किसी भी दशा में स्वीकृत धनराशि का आहरण कर बैंक/डाकघर में न जमा किया जाय तथा इसका व्यय नई मदों/कार्यों में न किया जाय।
5. सुसंगत वित्तीय नियमों के आलोक में आगणन पर सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त करने व सक्षम स्तर से कार्यदायी संस्था का निर्धारण कराने के उपरान्त ही मानक मद 29-अनुरक्षण हेतु स्वीकृत धनराशि का आहरण किया जायेगा।
6. प्रायोजना में सम्मिलित उपकरणों/सामग्रियों आदि का क्रय जेम पोर्टल के माध्यम से भारत सरकार व राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्गत सुसंगत शासनादेशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा। जेम पोर्टल पर दरें उपलब्ध न होने की दशा में ही इनका क्रय सुसंगत क्रय नियमों/स्टोर पर्चेज रूल्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए नियमानुसार किया जायेगा।
7. स्वीकृत की जा रही धनराशि के सम्बन्ध में वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों में प्रशासकीय व्यय में मितव्ययता संबंधी शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
8. स्वीकृत धनराशि का आहरण/व्यय करते समय वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2020/बी-1-149/दस-2020-231/2020, दिनांक-24.03.2020 में अंकित निर्देशों तथा शासनादेश सं0-बी-1-1195/दस-16/94, दिनांक-06.06.1994 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

2- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-15 के अधीन लेखाशीर्षक-'2403-पशुपालन-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-07-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण' की सुसंगत इकाईयों तथा लेखाशीर्षक-'4403-पशुपालन पर पूंजीगत परिव्यय-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-11-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक का संचालन एवं सुदृढीकरण-26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र' के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2020/बी-1-149/दस-2020-231/2020, दिनांक-24.03.2020 में प्रदत्त अधिकारों के अधीन जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एन. पी. पाण्डेय)
विशेष सचिव।

<u>पृ0सं0-30/2020/1005(1)/सैंतीस-2-2020- तद्दिनांक ।</u>

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)/(लेखा-परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।
2. वित्त नियंत्रक/संयुक्त निदेशक (नियोजन), पशुपालन विभाग, उ0प्र0, लखनऊ।
3. सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी।
4. वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनु0-1/वित्त (आय-व्ययक) अनु0-1/नियोजन अनु0-3 ।
5. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(विनोद कुमार द्विवेदी)
अनु सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in